लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या2274

3 अगस्तश2015 को उत्त4र के लिए

लौह अयस्क की मांग और आपूर्ति

2274. श्री नारणभाई काछड़िया:

श्री विद्युत वरण महतो:

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में चल रही योजनाओं के आलोक में इस्पात क्षेत्र हेतु आवश्यक लौह अयस्क संबंधी कोई आकलन किया गया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या भारतीय इस्पात निगम लिमिटेड (सेल) द्वारा अगले तीस वर्षों हेतु इस्पात/लौह अयस्क की आवश्यकता, उपलब्धता, मांग और आपूर्ति के संबंध में संदर्शी योजना सहित कोई विस्तार योजना तैयार की गई है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या इसकी प्रचालनात्मक कार्य क्षमता सुनिश्चित करने के लिए सरकारी क्षेत्र इस्पात कंपनियों से कच्चे माल के इष्टतम उपयोग का अनुरोध किया गया है; और
(च) यदि हां, तो इस संबंध में सरकारी क्षेत्र कंपनियों द्वारा क्या प्रयास किए गए हैं और इसके क्या परिणाम रहे?

उत्त)र

इस्पातत और खान राज्य मंत्री (श्री विष्णुे देव साय)

(क) और (ख) : 12वीं पंचवर्षीय योजना हेतु इस्पा त संबंधी कार्यकारी समूह की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2016-17 के लिए देश में लौह अयस्कव की अनुमानित आवश्यकता लगभग 206 एमटी होगी।

(ग) और (घ) : सेल ने ''विजन 2025" योजना तैयार की है , जिसके तहत वर्ष 2025-26 तक सेल के इस्पातत संयंत्रों की हॉट मेटल उत्पाीदन क्षमता विभिन्न् चरणों में बढ़कर 50.4 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) हो जाएगी। सेल को प्रति वर्ष 50.4 मिलियन टन हॉट मेटल के उत्पा दन के लिए प्रति टन 95.76 मिलियन टन सामान्यर (आरओएम) लौह अयस्क की आवश्येकता होगी।

(ड़) और (च) : पीएसयू अपनी प्रचालनात्मिक कार्य क्षमता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न5 तरीकों के इस्तेमाल से कच्चे माल का इष्ट तम उपयोग कर रहे हैं, जैसे कि लौह अयस्क् का बेनिफिसिएशन एवं पैलेटाईजेशन, कोयला मिश्रण का इष्ट्तमीकरण और मैटलर्जिकल अपशिष्टक पदार्थों का उपयोग , ब्ला स्टक फर्नेस में कोक के स्थाि न पर सस्ते नट कोक का उपयोग तथा आंशिक रूप से मंहगे कोक के स्था न पर ब्लाेस्ट फर्नेस में पुलवराईज्डे कोल का उपयोग इत्याथदि।

*****